सांध्य दैनिक

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें -सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in

वर्ष : 9 अंक : 194 | इंदौर, सोमवार 22 जनवरी, 2024 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

राम आ गए है..!

तुम आओ, ना आओ तुम्हारी मर्जी!

तुम मुहूर्त,कर्मकांड, मंदिर शिल्प, मन्दिर की पूर्णता, अपूर्णता में कमी निकालो तुम्हारी मर्जी।

पर सुन लो, और जान लो.....

पूरा भारत, आमजन, खास जन, बलिदानियों, शहीद कारसेवकों के परिवार, असली शिव सैनिक, सभी खासोआम जगतगुरु, महामंडलेश्वर, देश के सभी तीर्थों के महंत,प्रमुख मंदिरों के आचार्य, पीठाधीश्वर,सभी अखाड़ो के प्रमुख, देश के 1 करोड़ सनातनी, 8000 VVIP, धनकुबेर, अम्बानी अडानी डालमिया, बजाज, प्रमुख उद्यमी, देश के प्रतिष्ठित ऐसे लोग जिन्होंने देश का नाम सम्पूर्ण विश्व मे ऊंचा किया है, नामी खिलाड़ी, रामजी के भक्तजन, शबरी उर्मिला जो 31 सालों से मौन है,

अयोध्या के पास के 105 गांवों के ठाकुर जिन्होंने 500 सालों से राम मंदिर बनने तक पगड़ी, जूते नही पहनने की सौगंध खाई वो, और सभी आमोखास वो व्यक्ति जिसके हृदय में राम बसते हैं, और केरल से कश्मीर नेपाल भूटान तक।

असम बंगाल से राजस्थान गुजरात तक के देश के राम में आस्था विश्वास रखने वाले वे लोग, **जो राम को जीते हैं राम के लिये मरते हैं, जिनका संबोधन राम राम है। जिनकी आस्था, अस्मिता, आत्मगौरव, अभिमान राम हैं, वे सभी, कोई 8000 किलोमीटर से सर पर रामचरण रखे पैदल, कोई कार, कोई गाड़ी, कोई ट्रैन से आ रहे हैं, पर आ रहे हैं,** सब पधार रहे हैं, **पूरा देश नाच रहा है झूम रहा है** जगह-जगह पर पूजा हो रही है, बंदनवार सज रही है सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे हैं नए-नए गाने बनाए जा रहे हैं नई-नई पुस्तक लॉन्च हो रही है नए-नए भजन बनाए जा रहे हैं सामूहिक कार्यक्रम हो रहे हैं गोष्ठियां हो रही है, चर्चाएं हो रही हैं **पूरा राष्ट्र खुशी के मारे सब कुछ भूल कर नर्तन कर रहा है, कीर्तन कर रहा है, भजन कर रहा है,** हर कोई व्यक्ति **आह्लादित है उमंगित है अर्जित है** 500 सालों का इंतजार खत्म हो रहा है, **राम आ रहे हैं..... हमारे राम आ रहे हैं..** वैसे ही जैसे **रावण** को खत्म करके राम **अयोध्या** पधारे थे. **उस समय केवल अयोध्या ने तैयारियां की थी, अब पूरा देश उनके स्वागत में घी के दीए जला रहा है।।**

और.... सुनो...

1. राम मंदिर के भूतल का निर्माण समर्पण निधि के ब्याज से ही हो गया है
2. **नेपाल कंबोडिया सिंगापुर श्री लंका इंडोनेशिया थाईलैंड जैसे कई देशों ने अयोध्या में अपने काउंसलेट बनाने के लिए जमीन मांग ली है**
3. अयोध्या में पर्यटन से 55000 करोड़ सालाना आने वाले हैं आसपास के 6-7 जिलों के आर्थिक परिदृश्य में परिवर्तन आने वाला है.
4. अयोध्या में **160 नए होटल** खोलने के लिए प्राइवेट कंपनियों के प्रस्ताव आ चुके हैं
5. करोड़ों रुपए का चढ़ावा राम मंदिर में रोजाना आने वाला है
6. तुम आओ या ना हो अयोध्या **विश्व का सांस्कृतिक चेतना केंद्र** बनने वाला है
7. तुम मानो या ना मानो 22 जनवरी राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दिन **50000 करोड रुपए का** व्यवसाय होने वाला है
8. तुम मानो या ना मानो राम जी के काज में इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने वाली कंपनियों के **शेयरों में कई गुना वृद्धि हो चुकी है** एलएनटी का शेयर 400 से 972 पहुंच चुका है और 4000 तक जाने वाला है
9. अयोध्या में अब **अंतरराष्ट्रीय पुष्पक विमान चलने वाला है और सरयू में अब क्रूज भी चलने वाला है**
10. **22 जनवरी प्रतिष्ठा के दिन संपूर्ण विश्व टेलीविजन पर लाइव जुड़कर पूरे विश्व में एक नया कीर्तिमान बनाने वाला है**
11. **तुम मानो या ना मानो विरोधियों तुम्हारी दुकान पर बस अब ताला पड़ने वाला है**

अब तुम मानो या ना मानो अब यह देश ही नहीं पूरा विश्व राममय होने वाला है।

सिया राम मय सब जग जानी.

करहु कृपा जगदंब भवानी

।। जय सियाराम।।

हुकुमचंद मिल क्षेत्र अंतर्गत अतिक्रमण हटाएंगे

नेहरू नगर का होगा पुनर्विकास, आईटीआई परिसर में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण के प्रस्ताव पर हुई चर्चा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के क्षेत्रीय अधिकारियों के साथ विभिन्न निर्माण एवं पुनर्विकास कार्यों के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सर्वप्रथम बैठक में हुकुमचंद मिल क्षेत्र अंतर्गत अतिक्रमण हटाने एवं अस्थाई बाउंड्री वॉल निर्माण के संबंध में चर्चा की गई। बताया गया कि हुकुमचंद मिल की बाउंड्री पर 126 अस्थाई स्ट्रक्चर बने हुए हैं जो अतिक्रमण की श्रेणी में आते हैं। सीमा के अंदर भी नवीन अतिक्रमण हो रहे हैं साथ ही 9 अतिक्रमण रहवासी हैं जिन्हें उच्च न्यायालय द्वारा हटाने के आदेश विगत वर्षों में जारी किए गए हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा सभी नवीन अतिक्रमणों को तत्काल रूप से हटाने के आदेश दिए गए साथ ही कहा कि उच्च न्यायालय द्वारा जारी किए आदेश के अवलोकन पश्चात रहवासी अतिक्रमण

को हटाए जाने का निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने नगर निगम आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह को हुकुमचंद मिल क्षेत्र की सीमा पर किए गए अतिक्रमण का नगर निगम टीम द्वारा मौका निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

पुनर्विकास पश्चात वर्तमान क्षेत्रफल से 20 प्रतिशत अधिक होगा फ्लोर एरिया

मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा बताया गया कि मप्र आवास पुनर्विकास नीति 2022 के अनुरूप एलआईजी एवं नेहरू नगर की पुनर्विकास परियोजना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि नेहरू नगर की कॉलोनी मंडल द्वारा निर्मित है जो 50 वर्ष से अधिक पुरानी कॉलोनी है। इसे नगर निगम इंदौर द्वारा 2018 में जीर्ण-शीर्ण घोषित किया गया था। इसके सभी भवन कॉलम फाउंडेशन पर निर्मित है इसलिए मरम्मत योग्य नहीं है साथ ही कॉलोनी की अधोसंरचनाएं रख-रखाव के अभाव में क्षतिग्रस्त हो चुकी है। जिसको दृष्टिगत रखते हुए नेहरू नगर का पुनर्विकास प्रस्तावित है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए की जब तक यह परियोजना संपन्न होगी तब तक यहां के रहवासियों को अन्य स्थान पर रहने के लिए प्रचलित दर के हिसाब से किराया दिया जाएगा। इसी के साथ ही परियोजना समाप्ति के बाद रहवासियों की रजिस्ट्री निशुल्क कराई जाएगी। हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि पुनर्विकास परियोजना पश्चात जितने भी रहवासी यहां निवासरत है उनके भवन के वर्तमान क्षेत्रफल में 20 प्रतिशत इजाफे के साथ नया फ्लोर एरिया मिलेगा।

आईटीआई एवं होलकर शासकीय महाविद्यालय की चिन्हित भूमि पर पुनर्धनत्वीकरण योजना प्रस्तावित

बैठक में हाउसिंग बोर्ड के अधिकारियों ने बताया कि औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की 1.50 हेक्टेयर भूमि पर पुनर्धनत्वीकरण योजना प्रस्तावित है। कनकेश्वरी ग्राउंड के पास स्थित इस भूमि पर नया छात्रावास एवं स्पोर्ट कंपलेक्स का निर्माण किया जा सकता है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इस प्रस्ताव पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित स्टेकहोल्डर के साथ बैठक आयोजित कर प्रस्ताव पर चर्चा करने के निर्देश दिए। इसी के साथ ही होलकर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की 1.20 हेक्टर भूमि पर पुनर्धनत्वीकरण योजना प्रस्तावित की गई। प्रारंभिक परियोजना प्रतिवेदन के तहत महाविद्यालय की कुल 13.90 हेक्टेयर भूमि में से 1.20 हेक्टेयर भूमि पर यह कार्य किया जाएगा। जिसके तहत प्रशासनिक भवन, स्टेडियम, बालक छात्रावास एवं ऑडिटोरियम का निर्माण प्रस्तावित है।

बैठक में ओल्ड पलासिया स्थित लोक निर्माण विभाग की 8.533 हेक्टर भूमि एवं संयुक्त संचालक महिला बाल विकास विभाग के कार्यालय की 0.43 हेक्टर भूमि पर प्रस्तावित पुनर्धनत्वीकरण योजना के प्रारंभिक परियोजना प्रतिवेदन पर एवं मांग अनुरूप रेडियो कॉलोनी में ई/डी श्रेणी के क्वार्टर निर्माण के संबंध में भी चर्चा की गई। निवर्तन हेतु प्रस्तावित भूमि का आरक्षित मूल्य, प्रस्तावित शासकीय निर्माण की लागत का विवरण तथा शासकीय निर्माण पश्चात शासकीय कोष में जमा योग्य राशि की भी जानकारी दी गई।

ब्रिटिश दूल्हे के साथ सात फेरे लेगी इंदौर की बेटी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सोमवार को अयोध्या में होने जा रहे राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन इंदौर में एक अनोखी शादी होने जा रही है। शहर के पूर्व डीआईजी रहे अखिलेश झा की बेटी प्रज्ञा 22 जनवरी को ब्रिटिश सिविल सर्विसेस के अधिकारी तरुण चटर्जी के साथ इंदौर में विवाह सूत्र में बंधेगी। शनिवार को यहां इनकी हल्दी रस्म हुई वहीं रविवार को मेहंदी सेरेमनी धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर दोनों परिवारों के लोग, रिश्तेदार, आईएएस, आईपीएस अधिकारी उपस्थित थे। इस मौके पर नवयुगल दोनों फिल्मी गीतों पर खूब थिरके। दोनों परिवारों का कहना है कि यह काफी सुखद व खुशी का प्रसंग है जब इंदौर की बेटी प्रज्ञा सांस्कृतिक विविधता, देश, धर्म की दूरी, भिन्नता के भेद को मिटाते हुए ब्रिटिश दूल्हे से भगवान राम की अयोध्या में हो रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन 22 जनवरी को पारंपरिक मिथिला की विवाह पद्धति परिणय सूत्र में बंधेगी। प्रज्ञा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि मैं तरुण के पास एक काम के सिलसिले में गई थी तो वहीं उनसे परिचय हुआ और बाते आगे बढ़ी। दोनों देशों की अलग-अलग संस्कृति, धर्म, विचार को लेकर उनका कहना है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। प्यार की भावना, रिश्ते तो समान ही होते हैं।

©www.detectivegroupreport.com

स्टेट हैण्डलूम एक्सपो में उस्ताद राशिद खान को श्रद्धांजलि

◆ गायक अग्निहोत्री ने आओगे जब तुम ओ साजना... गाकर बांधा समा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। केसरबाग रोड पर चल रहे संत रविदास मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के श्रस्टेट हैण्डलूम एक्सपोज़ में उस वक्त माहौल रूहानी हो गया, जब गायक संतोष अग्निहोत्री ने अपनी आवाज में आओगे जब तुम ओ साजना... गाकर उस्ताद राशिद खान साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की। मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम अपने इस मेले में हर शाम एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी करता है। इसी कड़ी में एक खूबसूरत शाम गायक संतोष अग्निहोत्री के नाम रही। उस्ताद राशिद खान को श्रद्धांजलि देने के बाद संतोष अग्निहोत्री ने गजलों का दौर चलाया। उन्होंने आगे जगजीत सिंह की गजल होश वालों को खबर क्या... सुनाई, तो मेले का एक हिस्सा तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। गायक ने अपनी आवाज के साथ स्वयं हारमोनियम बजाया। वहीं, तबले पर नवीन राणा और गिटार पर चारुदत्त अग्निहोत्री ने संगत की। ये संगीत महफिल सुनकरों की दाद के साथ देर रात 10 बजे तक चलती रही। सुनने वालों ने और भी कई पुराने गीत सुनने की मांग गायक संतोष अग्निहोत्री से की।

डेंटल सर्जन से एक्टर बने डॉ. लियाओ इंदौर आए

इंदौर। मेरे पूर्वज वाइना के हैं पर मेरा जन्म जबलपुर में हुआ है। मेरी बॉडी की पैकिंग वाइना के लोगों की तरह है पर मैं हूं इंडियन। मेरी यही खूबी मुझे बॉलीवुड में काम दिलाती है। मेरी तरह एकदम शुद्ध हिंदी बोलने वाला चाइनीज मिलना मुश्किल है। मैं बॉलीवुड में शौकिया तौर पर गया था। 2016 में न्यूज पेपर में आया था कि सलमान खान की अगली मूवी में चाइनीज कलाकारों की जरूरत हो सकती है। मैंने अपने दोस्तों से इस बारे में बात कि तो मुझे कास्टिंग डायरेक्टर का नंबर मिला। मैंने उन्हें अपने फोटोग्राफ भेजे तो उन्होंने मुझे ऑडिशन का एक वीडियो भेजने के लिए कहा। इसके बाद 10 दिन के अंदर मैं सलमान खान की मूवी के सेट पर था जिसे कबीर खान डायरेक्ट कर रहे थे। यहां से मेरे फिल्मी करियर की शुरुआत हुई। अब मैं दोनों प्रोफेशन में तालमेल बनाकर काम करता हूं। यह बात डॉक्टर से एक्टर बने डेंटल सर्जन और बॉलीवुड एक्टर डॉ. सीएव लियाओ ने कही।

प्रत्येक मन हर स्थिति में "राम" को साक्षी बनाने का आदी है।

दुःख में -
"हे राम"

पीड़ा में --
"अरे राम"

लज्जा में --
"हाय राम"

अशुभ में --
"अरे राम राम"

अभिवादन में--
"राम राम"

शपथ में--
"राम दुहाई"

अज्ञानता में --
"राम जाने"

अनिश्चितता में --
"राम भरोसे"

अचूकता के लिए--
"रामबाण"

सुशासन के लिए--
"रामराज्य"

मृत्यु के लिए --
"राम नाम सत्य"

जैसी अभिव्यक्तियां पग-पग पर "राम" को साथ खड़ा करती हैं।
"राम" भी इतने सरल हैं कि.

हर जगह खड़े हो जाते हैं !

जिसका कोई नहीं...

उसके लिए "राम" हैं-
"निर्बल" के बल "राम"

।। जय सियाराम जय सियाराम जय सियाराम ।।

स्कीम 51 पर लक्ष्य से 9 हजार अधिक आहुतियां सम्पन्न

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। गणपति सेवा समिति के तत्वावधान में स्कीम 51, संगम नगर स्थित मनोकामना पूर्ण दुर्गा माता मंदिर पर चल रहे श्रीराम महायज्ञ में रविवार को आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक के आचार्यत्व में 21 विद्वानों ने 1.61 लाख आहुतियों के लक्ष्य के मुकाबले अब तक कुल 1.70 लाख आहुतियां संपन्न कर ली है। इसके अलावा रविवार को विद्वान ब्राह्मणों ने हनुमान चालीसा के 1108 पाठ, श्रीसूक्त, पुरुष सूक्त, विष्णुसूक्त, नारायण कवच, नारायण अथर्वशीर्ष के पाठ भी किए और हवनात्मक आहुतियां भी समर्पित की।

यज्ञ समिति के संयोजक पं. योगेन्द्र महंत एवं उद्योगपति योगेश मेहता ने बताया कि रविवार को विद्वानों द्वारा स्थापित देवताओं के पूजन के साथ ही वास्तु पूजन, चौंसठ योगिनी, क्षेत्र पाल, सर्वतोभद्र मंडल आदि का पूजन किया गया। तदपश्चात समाजसेवी जगदीश गोयल बाबाश्री, गिरधर नागर, पार्षद पराग कौशल, गोविंदसिंह पंवार एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों ने भी यज्ञशाला पहुंचकर आहुतियां समर्पित की और महाआरती में भी भाग लिया। यज्ञ स्थल पर स्थापित राम दरबार की पूजा-अर्चना के अलावा पुष्प अर्चना भी की गई। समाजसेवी अनंत योगेन्द्र महंत ने भी आहुतियां समर्पित की। समाजसेवी जगदीश गोयल ने यज्ञशाला की परिक्रमा भी की।

आज पूर्णाहुति - सोमवार 22 जनवरी को सुबह 9 बजे से यज्ञ स्थल पर दीपोत्सव का सिलसिला शुरू हो जाएगा। इस दौरान अयोध्या में रामलला मंदिर पर होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के अनुरूप यहां भी रंगारंग आतिशबाजी और अन्य उत्सव मनाकर पूर्णाहुति की जाएगी। सुबह अभिजीत मुहूर्त में समाजसेवी अनंत योगेन्द्र महंत, मुख्य यजमान योगेश मेहता, रणजीत हनुमान के पुजारी पं. दीपेश व्यास, खजराना गणेश मंदिर के पुजारी पं. अशोक भट्ट एवं अन्य अतिथि पूर्णाहुति समर्पित करेंगे।

छात्रों की कला के हर रंग में अयोध्या के श्रीराम मंदिर की झलक

इंदौर। इंदौर में हर जगह राम नाम की लहर है। हर कोई भगवान श्रीराम की भक्ति में डूबा है। ऐसे में कॉलेज और यूनिवर्सिटी के के विद्यार्थी कैसे पीछे रह सकते हैं। श्रीराम के लिए भक्ति और आस्था इतनी है कि रंगों से अपने आराध्य श्री राम की रंगोली बनाकर अपने कॉलेज कैम्पस को सजाने में युवा ने कई घंटों तक मेहनत की। 22 जनवरी को रामलला की अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा होगी। इसके उत्साह में पूरा देश रामभक्ति में डूबा है।

प्रदेश के कॉलेज-विश्वविद्यालय भी पीछे नहीं हैं। छात्रों ने उमंग और उल्लास के साथ श्रीराम के लिए अपनी भक्ति दिखाई। किसी ने रंगोली में श्रीराम मंदिर बनवाया तो किसी ने किसी ने रंगों से श्रीराम और माता सीता को दिखाया। राम मंदिर प्रतिष्ठा के अंतर्गत राम उत्सव की शुरुआत 19 जनवरी से की गई। इसमें कॉलेज कैम्पस को युवाओं ने राममय बनाने के लिए रंगोली, पोस्टर के जरिए राम उत्सव थीम पर सजाया। इसमें पहले दिन जहां युवाओं ने रंगोली प्रतियोगिता में राम के जीवन के विभिन्न पहलूओं को रंगों के जरिए पेश किया। युवा छात्रों ने श्री राम के जीवन से जुड़े पलों को कविता के जरिए दर्शकों को बताया। राम जीवनी प्रतियोगिता में खासतौर पर रामायण से जुड़े विशेष प्रसंगों को इस दौरान पेश किया।

सैकड़ों साल पुरानी बुनाई कला को समझ रहे हैं कला प्रेमी

सवा लाख रुपए की कश्मीरी शॉल और कश्मीरी कहवा बना लोगों की पहली पसंद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सन्त रविदास मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम द्वारा स्टेट हैण्डलूम एक्सपो में थीम पवेलियन शुरू हुआ है । इस थीम पवेलियन में सैकड़ो साल पुरानी बुनाई कला का हथकरघा द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है । यहां कश्मीरी कहवा भी लोगों को खूब भा रहा है।

मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के दिलीप सोनी ने बताया कि अर्बन हाट बाजार केसरबाग रोड पर आयोजित इस एक्सपो में बड़ी संख्या में लोग देश के विभिन्न प्रांतो की बुनाई कला को देखने के लिए आ रहे हैं मेले में ही थीम पवेलियन बनाया गया है इस पवेलियन में हथकरघा द्वारा ताने बाने से बुनाई की बारीकिया सिखाई जा रही है यह तकनीक सैकड़ो साल पुरानी है। जिसमें ताने और बाने की सहायता से कपड़े को बुना जाता है। इसके साथ ही कपड़े पर प्राकृतिक रंगों से बटिक प्रिंट की छपाई का तरीका भी लोगों को दिखाया जा रहा है । प्रदर्शनी में कश्मीर से आए बुनकर अपने साथ याक वूलन शाल लाये हैं जो की -10 डिग्री टेंपरेचर में भी गर्म रखती है इसके साथ ही वह वुडन स्टिक से बनी कानी शाल लाए हैं जिनको बनाने में लगभग डेढ़ साल का वक्त लगता है पर्शियन तकनीक से बनी इस साल की कीमत सवा लाख रूपए है । कश्मीरी कहवा भी लोगों को खूब पसंद आ रहा है पीतल के बड़े से बर्तन में बनने वाले इस कश्मीरी कहवा में 16 तरह की खास ड्रेडिएंट्स और ड्राई फ्रूट्स मिक्स किए गए हैं। मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम के दिलीप सोनी ने बताया कि 22 जनवरी तक जारी रहने वाले हैंडलूम एक्सपो में हर दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

जय श्रीराम बोलने पर 7वीं के छात्र को पीटा, थाने के बाहर हंगामा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शहडोल। शहडोल जिले में जय श्री राम बोलने पर टीचर ने स्टूडेंट को पीट दिया। परिजन को जानकारी लगी तो वे हिंदू संगठन के सदस्यों के साथ थाने पहुंच गए। यहां देर तक चले हंगामे के बाद पुलिस ने आरोपी टीचर और स्कूल डायरेक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

मामला बुढ़ार के ग्रीन वेल्स पब्लिक स्कूल का है। पुलिस ने बताया कि क्लास में शिक्षक की अनुपस्थिति में सातवीं कक्षा के छात्र नितिन गुप्ता ने जय श्रीराम के नारे लगा दिए। इसी दौरान क्लास के बाहर से गुजर रहे इंग्लिश टीचर अब्दुल वाहिद ने छात्र को बुलाया। उसे डांटने के साथ पिटाई कर डाली। छात्र ने स्कूल डायरेक्टर शरीफ नियाजी से इस बात की शिकायत की लेकिन उन्होंने भी उसे डांटकर भगा दिया। इसके बाद छात्र ने घर लौटकर परिजन को मामले की जानकारी दी।

पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

परिजन बच्चे को लेकर थाने पहुंचे। उनके साथ स्थानीय लोग और हिंदूवादी संगठन के कुछ कार्यकर्ता भी थे। उन्होंने पुलिस से शिकायत करते हुए स्कूल डायरेक्टर नियाजी और टीचर वाहिद को गिरफ्तार करने की मांग की। थाने के बाहर नारे भी लगाए। स्थिति बिगड़ते देख एडीजीपी डीसी सागर मौके पर पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर देर शाम दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च भी निकाला। उन्होंने कहा कि नगर में शांति व्यवस्था कायम है। सभी लोग सद्भाव के साथ मिलकर 22 जनवरी को होने वाले श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेंगे।

पहले भी विवादों में रहा है स्कूल

थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध धारा 153, 323, 500, 34, 75-82 बाल्य न्याय अधिनियम की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। स्कूल पहले भी विवादों में रहा है। भारत के नक्शे को लेकर हुए विवाद के कारण स्कूल डायरेक्टर शरीफ नियाजी को एक बार पहले भी जेल जाना पड़ा था।

जमीनी विवाद को लेकर चली गोलियां : तीन गंभीर घायल

◆ चौथे को मामूली चोट, एक के पेट में गोली लगी, ग्वालियर रैफर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

मुरैना। मुरैना शहर में शाम को दो पक्षों में झगड़ा हुआ और गोली चल गई। झगड़ा जमीनी विवाद को लेकर है। घटना में चार घायल है जिनमें 3 की हालत गंभीर है। चारों घायलों को जिला अस्पताल मुरैना लाया गया है, जिसमें से एक घायल जिसकी हालत अधिक गंभीर है उसको ग्वालियर रैफर कर दिया गया है। घटना रविवार शाम 5:30 बजे के लगभग की है।

बता दें कि, मुरैना के रेलवे स्टेशन के पास मौजूद संजय नगर में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही थी। घटना वाले दिन रविवार की शाम दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। पहले दोनों पक्षों के बीच मुहवाद शुरू हुआ। उसके बाद दिखते ही देखते नौबत मारपीट तक जा पहुंची। मारपीट के दौरान बंदूकें तन गई और फायरिंग शुरू हो गई। इस घटना में चार लोग घायल हुए हैं। तीन व्यक्ति गंभीर उसे घायल हुए है तथा एक के मामूली चोट आई है। घायलों के सिर और पेट में गोली लगी है।

यह लोग हुए घायल

इस घटना में तीन लोग गंभीर रुप से घायल हुए हैं। इनमें पूरन, कुलदीप तथा सुग्रीव शामिल है। पूरन के पेट में गोली लगी है। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय मुरैना के डॉकटरों ने उसे ग्वालियर रैफर कर दिया है। बाकी कुलदीप और सुग्रीव का इलाज मुरैना जिला अस्पताल में चल रहा है। एक अन्य व्यक्ति के मामूली चोट है।

घटना की सूचना मिलते ही स्टेशन रोड थाना प्रभारी राजकुमारी परमार तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। वहां उन्होंने घायलों को एंबुलेंस मैं रखवाया तथा जिला अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद बाद वह स्वयं जिला अस्पताल पहुंची।

कहती है पुलिस

पुराने जमीनी विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था। गोली चली है। तीन गंभीर रूप से घायल है तथा चौथे व्यक्ति को मामूली चोट आई है। मामले की जांच की जा रही है।

-राजकुमारी परमार, थाना प्रभारी, स्टेशन रोड थाना, मुरैना

रेलवे के जेई का कार में शव मिला

प्रेम प्रसंग में गोली मारकर हत्या की आशंका, रतलाम में पोस्टेड थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

रतलाम/मंदसौर। रतलाम रेलवे डिवीजन हेडक्वार्टर में तैनात जूनियर इंजीनियर (जेई) का शव रविवार दोपहर मंदसौर जिले में मिला है। प्रेम प्रसंग में गोली मारकर हत्या की आशंका है। मामला मंदसौर के भावगढ़ थाना क्षेत्र के खोड़ाना गांव का है। शव यहां तालाब किनारे खड़ी कार में पाया गया।

दीक्षांत पंड्या रतलाम रेल मंडल मुख्यालय पर कारगो एंड वैगन डिपार्टमेंट में कार्यरत थे। वेस्टर्न रेलवे इंप्लॉइज यूनियन की युवा समिति के उपाध्यक्ष भी थे। घटना रतलाम और मंदसौर बॉर्डर पर होने के कारण रतलाम के ढोढर थाने से भी पुलिस मौके पर पहुंची। भावगढ़ (मंदसौर) थाने के सब इंस्पेक्टर जोरसिंह डामोर ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। परिजन को सूचना दे दी गई है।

शरीर पर चार गोलियों के निशान- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक जेई के शव पर चार गोलियों के निशान थे। एक गोली शरीर को पार कर निकल गई। तीन और गोलियां भी लगी हैं। घटनास्थल पर खड़ी मिली ब्रेजा कार की ही बताई जा रही है। हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग की बात सामने आ रही है। मोहसिन नाम का युवक और जेई की एक ही युवती से दोस्ती थी। पुलिस मोहसिन की तलाश कर रही है।

5 बैंकों के कर्जदार थे डॉक्टर दंपती

◆इंजेक्शन से पत्नी और फांसी से पति की मौत; सुसाइड नोट में लिखा-बेटे को परेशान न करें

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

बीना। सागर जिले के बीना में डॉक्टर दंपती ने कर्ज के दबाव में सुसाइड कर लिया। दोनों के शव उनके घर में मिले। पड़ताल में सामने आया कि डॉक्टर दंपती ने पांच बैंकों से करोड़ों रुपए का कर्ज लिया था। बीना सिविल अस्पताल में पदस्थ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मंजू कैथोरिया और कुरवाई सरकारी अस्पताल में पदस्थ उनके पति डॉक्टर बलवीर कैथोरिया ने बीना थाना प्रभारी के नाम से सुसाइड नोट छोड़ा है।

उन्होंने लिखा, ह्यकर्ज की किस्त के लिए बैंक दबाव बना रहे हैं इस कारण हम आत्महत्या कर रहे हैं।ह्ल डॉक्टर बलवीर कैथोरिया का शव फंदे पर लटका मिला। मंजू कैथोरिया का शव बिस्तर पर पड़ा था। उन्हें नींद के इंजेक्शन लगाए गए हैं। इसके ओवरडोज से उनकी मौत हुई है।

दो पेन से लिखा दो पेज का सुसाइड नोट

डॉक्टर दंपती ने सुसाइड नोट में लिखा, ह्यहमने आईसीआईसीआई, यश बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा कैपिटल, चोला मंडलम से करोड़ों रुपए का कर्ज लिया था। किस्त जमा करने के लिए बैंक दबाव बना रहे हैं। हमने बैंकों की किस्त भरने के लिए जमीन बेचने का भी प्रयास किया, लेकिन वह नहीं बिकी।

दो पेज का सुसाइड नोट लिखने में उन्होंने दो पेन का उपयोग किया है। इसमें लिखा है कि हमारी मौत के बाद बेटे को परेशान नहीं किया जाए। डॉक्टर बलवीर ने खुद पर 10 साल तक चले प्रकरण का जिक्र किया है। उन्होंने लिखा, ह्यबीना के अस्पताल में पदस्थ रहते हुए मुझ पर एक नर्स ने छेड़छाड़ का केस दर्ज कराया था। इसमें करीब 10 साल की सुनवाई के बाद दिसंबर 2023 में मैं बरी हो गया। मुझे झूठा फंसाया गया था।

भोपाल में अस्पताल-घर बनाने का था सपना

डॉक्टर दंपती के नंदन वाटिका कॉलोनी स्थित पड़ोसियों ने बताया कि वे तीन करोड़ रुपए का घर भोपाल में खरीदने वाले थे। बीना टीआई भरत सिंह ठाकुर ने बताया, ह्यशॉर्ट पीएम रिपोर्ट में बताया गया है कि डॉक्टर बलवीर की मौत फांसी लगाने से और डॉ.मंजू की मौत इंजेक्शन से हुई है। उन्हें कौन सा इंजेक्शन लगाया गया था, इसका खुलासा पीएम रिपोर्ट आने के बाद होगा। उन्हें इंजेक्शन दिया या उन्होंने खुद लगाया, यह भी जांच कर रहे हैं। डॉ. बलवीर का शव पंखे पर लटका मिला।

अतिक्रमण रोकने गए वन अमले पर हमला

◆ वनभूमि पर अवैध कब्जा कर रहे थे आरोपी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

शहडोल। ब्यौहारी वन परिक्षेत्र अंतर्गत पपौढ़ बीट में अतिक्रमण रोकने गए वन अमले पर हमला हो गया। अतिक्रमणकारियों ने वन विभाग के कर्मचारियों के साथ मारपीट की। यह घटना शनिवार की बताई जा रही है, जिसमें रविवार को पपौंध पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस में घटना की शिकायत बीट गार्ड आनंद शुक्ला ने की है। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है।

वन भूमि में झोपड़ी बना रहे थे आरोपी

बीट गार्ड आनंद शुक्ला ने बताया कि परिक्षेत्र सहायक अल्हरा रमाशकर पांडेय स्टाफ पुष्पेंद्र मिश्रा, रामदीन बैगा, अमित बैगा, अंशकालिक सुरक्षा श्रमिक शिवरतन कोल, उदयभान कोल के साथ गश्त कर रहे थे। इसी दौरान बीट पपौढ़ कक्ष क्रमांक 143 मे अवैध झोपड़ी बनाते हुए देखे। जब उसे रोकने गए तो हम पर हमला हो गया।

कुल्हाड़ी छीनकर की मारपीट

पीड़ित बीट गार्ड ने पुलिस को बताया कि उसी समय सफेद आसमानी नीले रंग का शर्ट पहने एक व्यक्ति आया, जो बीट गार्ड पुष्पेंद्र मिश्रा से कुल्हाड़ी छीन रहा था। अतुल सिंह ने पीछे से पुष्पेंद्र मिश्रा को पकड़ लिया और मारपीट करने लगे। मौके पर रामदीन बैगा, अमित बैगा, अंशकालिक सुरक्षा श्रमिक शिवरतन कोल, उदयभान कोल ने बीच-बचाव किया।

एक आरोपी पकड़ाया, एक फरार

पपौंध पुलिस ने बताया कि मामले में अपराध दर्ज कर लिया गया है। घटना के बाद वनकर्मियों ने महेंद्र सिंह गोंड नाम के आरोपी को पकड़ लिया था। वहीं अतुल सिंह नाम का आरोपी फरार है। जिसे पुलिस जल्द ही गिरफ्तार कर जेल भेजेगी।

विधायक को मंत्री न बन पाने की टीस:सिंधिया के सामने बोले- ...

अब पांव में घुंघरू कौन बांधे, कुछ के पांव ही टूट गए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना। गुना विधायक पन्नालाल शाक्य को मंत्रिपद न मिलने को लेकर दर्द छलका है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के सामने ही उनके मन की आस निकालकर सामने आए है। गुना में आयोजित एक सभा मे उन्होंने सिंधिया के सामने ही कह दिया कि उनके मन में एक लोभ था। वह भी संभावित थे। संभावित हो कैसे, सब घुंघरू टूट गए। अब पैरों में घुंघरू कौन बांधे।

बता दें कि विधायक पन्नालाल शाक्य अक्सर बयानों को लेकर चर्चार्ओं में रहते हैं। रविवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा और धन्यवाद सभा का आयोजन किया गया था। शहर के लक्ष्मीगंज में सभा आयोजित की गई थी। कार्यक्रम में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके अलावा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार, विधायक पन्नालाल शाक्य, नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता सहित कई नेता मौजूद रहे।

सभा में सबसे पहले जिलाध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद विधायक पन्नालाल शाक्य को बोलने के लिए बुलाया गया। वह माइक तक आये ही थे कि संचालक ने कहा कि पहले नगरपालिका अध्यक्ष से बुलवा लेते हैं। इस पर विधायक वापस अपनी कुर्सी पर जाकर बैठ गए। नगरपालिका अध्यक्ष के भाषण के बाद वह फिर बोलने के लिए आए। आते ही उन्होंने कहा कि ह्यअपना टिकट भी देरी से हुआ था।

भगवान राम की नगरी अयोध्या में 22 जनवरी को श्री राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है। मंदिर के उद्घाटन के साथ ही अयोध्या में बना राम मंदिर भारत समेत दुनियाभर में फैले हिंदुओं के लिए आस्था का बड़ा केंद्र बनकर उभरेगा। आज जो भव्य राम मंदिर आकार ले रहा है उसके पीछे दशकों तक चली लंबी कानूनी लड़ाई है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का सफर काफी चुनौतियों भरा रहा है। बाबरी विवाद, आदालतों में चली लंबी लड़ाई और फिर शीर्ष अदालत के फैसले के बाद मंदिर का निर्माण शुरू होना। अब देशवासियों का 22 जनवरी का इंतजार लगभग खत्म हो गया है।

मस्जिद बनने के 330 साल बाद शुरू हुई थी हक की जंग, 134 साल चली कानूनी लड़ाई

राम मंदिर की कानूनी लड़ाई

1528: अयोध्या में राम जन्मभूमि पर मस्जिद बनने से शुरू हुआ विवाद

आइये अब आपको इतिहास में लेकर चलते हैं। किस्सा 1526 से शुरू होता है। ये वो साल था जब मुगल शासक बाबर भारत आया। दो साल बाद बाबर के सूबेदार मीरबाकी ने अयोध्या में एक मस्जिद बनवाई। यह मस्जिद उसी जगह बनी जहां भगवान राम का जन्म हुआ था। बाबर के सम्मान में मीर बाकी ने इस मस्जिद का नाम बाबरी मस्जिद दिया। ये वो दौर था जब मुगल शासन पूरे देश में फैल रहा था। मुगलों और नवाबों के शासन के दौरान 1528 से 1853 तक इस मामले में हिंदू बहुत मुखर नहीं हो पाए। 19वीं सदी में मुगलों और नवाबों का शासन कमजोर पड़ने लगा। अंग्रेज हुकूमत प्रभावी हो चुकी थी। इस दौर में ही हिंदुओं ने यह मामला उठाया और कहा कि भगवान राम के जन्मस्थान मंदिर को तोड़कर मस्जिद बना ली गई। इसके बाद से रामलला के जन्मस्थल को वापस पाने की लड़ाई शुरू हुई।

1858: बाबरी मस्जिद बनने के 330 साल बाद हुई पहली एफआईआर

मीरबाकी के मस्जिद बनाने के 330 साल बाद 1858 में लड़ाई कानूनी हो गई, जब पहली बार परिसर में हवन, पूजन करने पर एक एफआईआर हुई। अयोध्या रिविजिटेड किताब के मुताबिक एक दिसंबर 1858 को अवध के थानेदार शीतल दुबे ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि परिसर में चबूतरा बना है। ये पहला कानूनी दस्तावेज है जिसमें परिसर के अंदर राम के प्रतीक होने के प्रमाण है। इसके बाद तारो की एक बाड़ खड़ी कर विवादित भूमि के आंतरिक और बाहरी परिसर में मुस्लिमों और हिंदुओं को अलग-अलग पूजा और नमाज की इजाजत दी गई।

1885: जब अदालत पहुंची राम के लिए पक्के घर की बात

1858 में हुई घटना के 27 साल बाद 1885 में राम जन्मभूमि के लिए लड़ाई अदालत पहुंची। जब, निर्मोही अखाड़े के महंत रघुबर दास ने फैजाबाद के न्यायालय में स्वामित्व को लेकर दीवानी मुकदमा दायर किया। दास ने बाबरी ढांचे के बाहरी आंगन में स्थित राम चबूतरे पर बने अस्थायी मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की मांग की। जज ने फैसला सुनाया कि वहां हिंदुओं को पूजा-अर्चना का अधिकार है, लेकिन वे जिलाधिकारी के फैसले के खिलाफ मंदिर को पक्का बनाने और छत डालने की अनुमति नहीं दे सकते।

1949: मूर्तियों का प्रकटीकरण

एक ओर जहां देशभर में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन चलाकर आजादी लेने की मुहिम जारी रही, वहीं दूसरी ओर राम जन्मभूमि की लड़ाई भी जारी रही। देश के आजाद होने के दो साल बाद 22 दिसंबर 1949 को ढांचे के भीतर गुंबद के नीचे मूर्तियों का प्रकटीकरण हुआ।

1950: आजादी के बाद पहला मुकदमा

आजादी के बाद पहला मुकदमा हिंदू महासभा के सदस्य गोपाल सिंह विशारद ने 16 जनवरी, 1950 को सिविल जज, फैजाबाद की अदालत में दायर किया। विशारद ने ढांचे के मुख्य गुंबद के नीचे स्थित भगवान की प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना की मांग की। करीब 11 महीने बाद 5 दिसंबर 1950 को ऐसी ही मांग करते हुए महंत रामचंद्र परमहंस ने सिविल जज के यहां मुकदमा दाखिल किया। मुकदमे में दूसरे पक्ष को संबंधित स्थल पर पूजा-अर्चना में बाधा डालने से रोकने की मांग रखी गई।

1959: निर्मोही अखाड़े ने मांगी पूजा-अर्चना की अनुमति

17 दिसंबर 1959 को रामानंद संप्रदाय की तरफ से निर्मोही अखाड़े के छह व्यक्तियों ने मुकदमा दायर कर इस स्थान पर अपना दावा ठोका। साथ ही मांग रखी कि रिसीवर ब्रियदत्त राम को हटाकर उन्हें पूजा-अर्चना की अनुमति दी जाए। यह उनका अधिकार है। मुकदमों की कड़ी में एक और मुकदमा 18 दिसंबर 1961 को दर्ज किया गया। ये मुकदमा उत्तर प्रदेश के केंद्रीय सुन्नी वक्फ बोर्ड ने दायर किया। कहा कि यह जगह मुसलमानों की है। ढांचे को हिंदुओं से लेकर मुसलमानों को दे दिया जाए। ढांचे के अंदर से मूर्तियां हटा दी जाएं। ये मामले न्यायालय में चलते रहे। फैसली की बात करें उससे पहले राम काज के लिए हुए कुछ और आंदोलनों की तरफ चलते है।

1982: हिंदू धर्मस्थलों की मुक्ति का अभियान-

बात 1982 की है। ये वो साल था जब विश्व हिंदू परिषद ने राम, कृष्ण और शिव के स्थलों पर मस्जिदों के निर्माण को साजिश करार दिया और इनकी मुक्ति के लिए अभियान चलाने का एलान किया। दो साल बाद 8 अप्रैल 1984 को दिल्ली में संत-महात्माओं, हिंदू नेताओं ने अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि स्थल की मुक्ति और ताला खुलाने को आंदोलन का फैसला किया।

1986: परिसर का ताला खुला- मुकदमों की बात हुई

है तो फिर से कानूनी लड़ाई की ओर चलते हैं और बात फैसलों की करते हैं। एक फैसला 1 फरवरी 1986 को आया जब फैजाबाद के जिला न्यायाधीश केएम पाण्डेय ने स्थानीय अधिवक्ता उमेश पाण्डेय की अर्जी पर इस स्थल का ताला खोलने का आदेश दे दिया। फैसले के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में दायर अपील खारिज हो गई।

1989: राम जन्मभूमि पर मंदिर का शिलान्यास- जनवरी

1989 में प्रयाग में कुंभ मेले के दौरान मंदिर निर्माण के लिए गांव-गांव शिला पूजन कराने का फैसला हुआ। साथ ही 9 नवंबर 1989 को श्रीराम जन्मभूमि स्थल पर मंदिर के शिलान्यास की घोषणा की गई। काफी विवाद और खींचतान के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने शिलान्यास की इजाजत दे दी। बिहार निवासी कामेश्वर चौपाल से शिलान्यास कराया गया।

1990: आडवाणी ने शुरु की रथ यात्रा, आंदोलन

को दी धार- 1990 के दशक में आंदोलन तेज हो रहा था। इस बीच सितंबर 1990 को लाल कृष्ण आडवाणी रथ यात्रा लेकर निकले। इस यात्रा ने राम जन्मभूमि आंदोलन को और धार दे दी। देश की राजनीति तेजी से बदल रही थी। आडवाणी गिरफ्तार हुए। गिरफ्तारी के साथ केंद्र में सत्ता परिवर्तन भी हुए। भाजपा के समर्थन से बनी जनता दल की सरकार गिर गई। कांग्रेस के समर्थन से चंद्रशेखर प्रधानमंत्री बने। ये सरकार भी ज्यादा नहीं चली। नए सिरे से चुनाव हुए और एक बार फिर केंद्र में कांग्रेस सत्ता में आई। इन सब के बीच आई वो ऐतिहासिक तारीख जिसका जिक्र किए बिना ये किस्सा पूरा नहीं हो सकता है।

1992: विवादित ढांचा गिरा, कल्याण सरकार बर्खास्त- तारीख थी 6 दिसंबर 1992. इस दिन

अयोध्या पहुंचे हजारो कारसेवकों ने विवादित ढांचा गिरा दिया। इसकी जगह इसी दिन शाम को अस्थायी मंदिर बनाकर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। केंद्र की तत्कालीन पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राज्य की कल्याण सिंह सरकार सहित अन्य राज्यों की भाजपा सरकारों को भी बर्खास्त कर दिया। उत्तर प्रदेश सहित देश में कई जगह सांप्रदायिक हिंसा हुई, जिसमें अनेक लोगों की मौत हो गई। अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि थाना में ढांचा ध्वंस मामले में भाजपा के कई नेताओं समेत हजारों लोगों पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। इसके साथ ही राम काज की कानूनी लड़ाई में मुकदमों की संख्या में और इजाफा होने लगा।

1993: दर्शन-पूजन की अनुमति मिल गई- बाबरी ढहाए

जाने के दो दिन बाद 8 दिसंबर 1992 को अयोध्या में कर्फ्यू लगा था। वकील हरिशंकर जैन ने उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ में गुहार लगाई कि भगवान भूखे हैं। राम भोग की अनुमति दी जाए। करीब 25 दिन बाद 1 जनवरी 1993 को न्यायाधीश हरिनाथ तिलहरी ने दर्शन-पूजन की अनुमति दे दी। 7 जनवरी 1993 को केंद्र सरकार ने ढांचे वाले स्थान और कल्याण सिंह सरकार द्वारा न्यास को दी गई भूमि सहित यहां पर कुल 67 एकड़ भूमि का अधिग्रहण कर लिया।

2002: हाईकोर्ट में शुरु हुई मालिकाना हक पर सुनवाई-

अप्रैल 2002 में उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने विवादित स्थल का मालिकाना हक तय करने के लिए सुनवाई शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने 5 मार्च 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को संबंधित स्थल पर खुदाई का निर्देश दिया। 22 अगस्त 2003 को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने न्यायालय को रिपोर्ट सौंपी। इसमें संबंधित स्थल पर जमीन के नीचे एक विशाल हिंदू धार्मिक ढांचा (मंदिर) होने की बात कही गई।

2010: इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने दिया ऐतिहासिक फैसला-

30 सितंबर 2010 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने इस स्थल को तीनों पक्षों श्रीराम लला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड में बराबर-बराबर बांटने का आदेश दिया। न्यायाधीशों ने बीच वाले गुंबद के नीचे जहां मूर्तियां थीं, उसे जन्मस्थान माना। इसके बाद मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा। 21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों तो वह भी इसके लिए तैयार है।

2017: सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता की पेशकश-

अयोध्या में राम जन्मभूमि की लड़ाई अब देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच चुकी थी। 21 मार्च 2017 को सर्वोच्च न्यायालय ने मध्यस्थता से मामले सुलझाने की पेशकश की। यह भी कहा कि दोनों पक्ष राजी हों तो वह भी इसके लिए तैयार है।

2019: सुप्रीम फैसला और मंदिर निर्माण का रास्ता साफ -

6 अगस्त 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिदिन सुनवाई शुरू की। 16 अक्तूबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई पूरी हुआ और कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले 40 दिन तक लगातार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

9 नवंबर 2019 को 134 साल से चली आ रही लड़ाई में अब वक्त था अंतिम फैसले का। 9 नवंबर 2019 को सर्वोच्च न्यायालय ने संबंधित स्थल को श्रीराम जन्मभूमि माना और 2.7 एकड़ भूमि रामलला के स्वामित्व की मानी। वहीं, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी वक्फ बोर्ड के दावों को खारिज कर दिया गया। इसके साथ ही कोर्ट ने निर्देश दिया कि मंदिर निर्माण के लिए केंद्र सरकार तीन महीने में ट्रस्ट बनाए और ट्रस्ट निर्मोही अखाड़े के एक प्रतिनिधि को शामिल करे। इसके अलावा यह भी आदेश दिया कि उत्तर प्रदेश की सरकार मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से मस्जिद बनाने के लिए 5 एकड़ भूमि किसी उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराए।

2020: अयोध्या में मंदिर की आधारशिला के साथ निर्माण शुरू-

इसी के साथ दशकों से चली आ रही लंबी कानूनी लड़ाई समाप्त हो गई। अब बारी थी निर्माण की। 5 फरवरी 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में मंदिर निर्माण के लिए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की घोषणा की। ठीक छह महीने बाद 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में राम मंदिर की आधारशिला रखी गई, जिसमें पीएम मोदी शामिल हुए।

2024: भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा-

134 साल चली कानूनी लड़ाई के बाद अब अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। राम जन्मभूमि पर मंदिर के पहले चरण का काम पूरा हो गया है। 22 जनवरी 2024 की वह ऐतिहासिक तारीख है जब मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा होगी। 23 जनवरी से मंदिर आम लोगों के लिए खुल जाएगा।

संपादकीय

लापरवाही कायम है

गुजरात के वडोदरा में एक झील में नाव पलट जाने से बारह बच्चों और दो शिक्षकों की डूबने से मौत की घटना ने एक बार फिर यही दर्शाया है कि लापरवाही कायम है और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। इस तरह का यह कोई पहला हादसा नहीं है। विडंबना है कि किसी भी स्तर पर जोखिम का ध्यान रखना और उसी मुताबिक बचाव के इंतजाम करने को कोई दोयम दर्जे का काम माना जाता है। खबरों के मुताबिक, वडोदरा की झील में हुए हादसे के वक्त स्थानीय लोगों ने कई बच्चों को बचाया। नावों के संचालन को इजाजत देने वाले संबंधित महकमे और उसके अधिकारियों को यह सुनिश्चित कराना जरूरी क्यों नहीं लगा कि नाव पर सवार हर व्यक्ति को जीवनरक्षक जैकेट पहनाया जाए और हर हाल में नाव के साथ-साथ आसपास पर्याप्त संख्या में गोताखोर, बचावकर्मी मौजूद हों, जो आपात स्थिति में लोगों की जान बचा सकें। वडोदरा के हरणी झील में एक स्कूल के छात्र अपने कुछ शिक्षकों के साथ पिकनिक मनाने गए थे। जाहिर है, यह सैर-सपाटा और अच्छा वक्त बिताने के लिए आपस में खुशी बांटने का मौका था। मगर इस क्रम में कई स्तर पर जितनी बड़ी लापरवाही बरती गई, उसमें खुशी मनाने का वह मौका एक मातम में बदल गया। गहरे पानी में नाव का संतुलन बिगड़ा और वह पलट गई, जिसमें बारह विद्यार्थी और दो शिक्षक डूब गए। जबकि किसी तरह अठारह छात्रों और दो शिक्षकों को बचा लिया गया। सवाल है कि जिस नाव की कुल क्षमता महज सोलह लोगों की थी, उस पर करीब दोगुनी संख्या में लोगों को बिठा कर गहरे पानी में ले जाने की छूट किस आधार पर मिली हुई थी और इसकी अनदेखी कर ऐसा करने की इजाजत किसने दी थी! जबकि अगर नियम-कायदे के मुताबिक नाव झील में जा रही हो, तब भी हादसे का जोखिम लगातार बना रहता है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि नाव में सवार कुल दस बच्चों को ही जीवनरक्षक जैकेट पहनाए गए थे। यह किस आधार पर मान लिया गया कि बाकी को इसकी जरूरत नहीं थी? ऐसी घटनाओं के बाद रस्मअदायगी में उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई आदि की घोषणा की जाती है, वह वडोदरा में हुए हादसे के बाद भी हुई। नाव संचालन से जुड़े एक प्रबंधक सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और कुल अठारह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। मगर अफसोस कि चौदह लोगों की जान जाने के बाद प्रशासन की ओर से दर्शाई जा रही इस सक्रियता का आधा हिस्सा भी अगर अमल में रहता तो यह हादसा ही न होता।

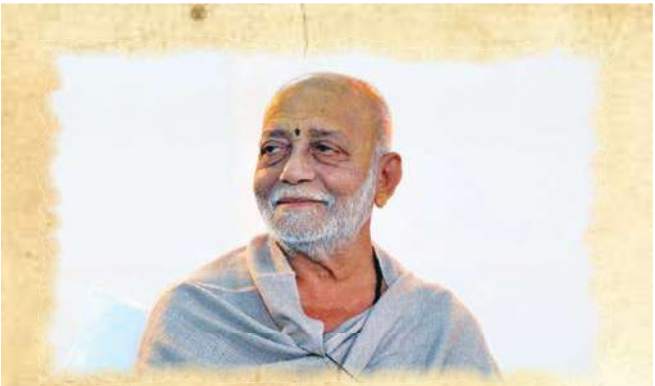

मैंने कहा है कि मेरे कोई फॉलोअर्स नहीं है, मेरे सब फ्लावर्स है। मेरे कोई अनुयायी नहीं हैं, कि मेरे पीछे कोई भीड़ चले, ये मैं नहीं चाहता। कि मेरे पीछे कोई भीड़ चले, मैं नहीं चाहता मेरे सब फ्लावर्स । मेरे विश्व वाटिका की ये बगिया है । इसमें सब मेरे श्रोता है, मैं उनको फ्लावर्स। मेने सब फ्लावर्स को कहा कि आप में जो श्रद्धा की डिवाइन स्मैल है, एक पवित्र और दिव्य खुशबू है, ये खुशबू लेकर, ये तुम को ही, तुम जो फ्लावर है। तुम्हारे सद् मन को, तुम्हारे सद् भाव को, ये सब फ्लावर लेकरके 22 तारीख को मानसिक रूप में, भगवान के चरणों में समर्पित करूंगा । मैं जा रहा अकेला लेकिन मेरे साथ कई लोगों भी, और मैं इन सब की आंखों को साथ में रख कर, मेरे राम का दर्शन करूंगा। मैं बार बार कह चुका हूं, मुझे राम ही दिखते हैं। ये कोई विवाद, क्यूं ऐसे हुआ, क्यूं ऐसे नहीं हुआ, ये होना चाहिए, इसमें मेरी कोई रूचि नहीं है। मैं केवल राम को देख रहा हूं। और इस प्रतीक्षा में हूं कि कब वो पल आयें, जैसे अर्जुन चिड़िया को देखना बंद करता है, शाखा को बंद करता है, केवल चिड़िया की आंख देखता है और लक्ष्य प्राप्ति हो गई। ऐसे ही हम चाहते है कि राम लला के दर्शन करें। मुझे खबर नहीं, मैं आपको प्रमाण नहीं दे सकता हूं, मैं बार बार बोला हूं लेकिन मेरे अंतः करण की साधु प्रवृत्ति मुझे कह रही है कि भारत का ये महोत्सव, परमोत्सव । महोत्सव भी मैं नहीं कहूंगा, ये परमोत्सव है । ऐसा परमोत्सव मेने मेरे 78 साल की उम्र में कभी नहीं देखा। जो जन जन को जागृत कर रहा है । तो ये घटना घट रही है और इसके थ्रू, इसके द्वारा मुझे लगता है कि भारत विश्व में एक विशेष प्रकार का प्रकाश और प्रेरणा का विस्तार करेगा । भगवान करे, हनुमान जी मेरा ये मनोरथ पूरा करें। आपके दर्शकों और आपके चाहकों के लिए बहुत बहुत शुभकामना । 22 तारीख की एडवांस में बहुत बहुत बधाई। आपके सभी दर्शक, आपके सभी साथी, सपरिवार संपन्न रहे, प्रसन्न रहें और सत्य प्रेम और करूणा के चरणों में प्रपन्न रहें। ऐसी प्रार्थना करता हूं।...आप सभी को मेरा प्रणाम जय सियाराम ।

1 हजार साल तक खड़ा रहेगा

राम मंदिर

भूकंप और बाढ़ से कुछ नहीं बिगड़ेगा

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में आज रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। यह मंदिर महज पूजा करने की जगह नहीं है, बल्कि इसमें प्राचीन आस्था और आधुनिक विज्ञान का भी मित्रण है। राम मंदिर मॉर्डन इंजीनियरिंग के चमत्कार को दर्शाता है। इसे इतनी ज्यादा मजबूती दी गई है कि यह भूकंप के जोरदार झटकों और भीषण बाढ़ का सामना भी आसानी से कर सकता है। साथ ही अयोध्या का यह दिव्य राम मंदिर 1,000 साल तक मजबूती से खड़ा रहने वाला है। टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड के मैनेजमेंट के साथ लार्सन एंड टुब्रो कंपनी की ओर से राम मंदिर बनाया जा रहा है। यह सावधानीपूर्वक बनाए गए प्लान और आधुनिक निर्माण तकनीकों का नतीजा है।

राम मंदिर का डिजाइन पारंपरिक नागर वास्तुकला शैली से प्रभावित है जिसमें 360 पिलर्स लगाए गए हैं। मंदिर पूरी तरह से पत्थरों से बनाया गया है जिसमें आधुनिक लोहे, स्टील और यहां तक कि सीमेंट का इस्तेमाल नहीं हुआ है। यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि मंदिर को भूकंप से सुरक्षित रखा जा सके। मालूम हो कि दूसरे मैटेरियल्स की तुलना में पत्थर की जीवनकाल लंबा और टिकाऊ होता है। यही वजह मानी जाती है कि अभी भी सैकड़ों साल पुराने कई मंदिर सुरक्षित हैं।

मंदिर के नींव पर दिया गया विशेष ध्यान

राम मंदिर बनाते समय वैज्ञानिकों की ओर से उसकी नींव पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह मंदिर रोल्ड कॉम्पैक्ट कंक्रीट की 15 मीटर मोटी परत पर बनाया गया, जिसमें फ्लाई ऐश, इस्ट और केमिकल्स से बने कॉम्पैक्ट कंक्रीट की 56 परतें शामिल हैं। इस मजबूत आधार को ग्रेनाइट के 21 फुट मोटे चबूतरे से और ज्यादा मजबूती दी गई है, जो मंदिर को नमी से बचाने में मदद करेगा। नींव के पिलर्स की तुलना नदियों पर बने बड़े पुलों से कर सकते हैं, जो भूकंपीय गतिविधियों से मंदिर की मजबूती सुनिश्चित करेंगे।

जमीन को 15 मीटर खुदवाया और मिट्टी निकाली

इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, राम मंदिर 6.5 तीव्रता तक के भूकंप को सहने में सक्षम है। ऐसा अनुमान है कि 1,000 साल तक इसकी मरम्मत करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मंदिर बनाने वाली टीम ने अयोध्या से नेपाल तक फैले क्षेत्र में अब तक आए भूकंपों की तीव्रताओं को माप की। इसके बाद इस मंदिर के लिए यूनिक फाउंडेशन डिजाइन करने के लिए प्रयोगशाला में काम हुआ। चेन्नई में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की ओर से कुछ अहम सुझाव मिले। इस आधार पर इंजीनियरों ने जमीन को 15 मीटर तक खुदवाया और वहां की ऊपरी मिट्टी को हटा दिया। यहां री-इंजीनियर्ड की गई मिट्टी को भरा गया। यह मिट्टी 14 दिनों के भीतर पत्थर में बदल जाती है और फिर निर्माण प्रक्रिया के दौरान 47 परतें बिछाई गईं।

दो युवतियों के साथ दुष्कर्म

अश्लील फोटो वायरल करने की देता था धमकी, केस दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं। एक में पीड़िता के फोटो खींच आरोपी उन्हें वायरल करने की धमकी देता और संबंध बनाने के लिए मजबूर करता था। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पहला मामला आजाद नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने 26 साल की पीड़िता की शिकायत पर आरोपी मोहम्मद फरहान खान के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता को शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता गर्भवती हुई तो उसे आरोपी ने कच्चा पपीता खिलाया, जिससे उसका गर्भपात हो गया। बाद में आरोपी ने शादी करने से मना कर दिया।

इसी प्रकार भंवरकुआं थाना पुलिस के अनुसार 30 साल की पीड़िता की शिकायत पर आरोपी प्रमित तिवारी के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता को शादी का झांसा दिया और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी ने पीड़िता के अश्लील फोटो खींच लिए जिन्हें वायरल करने की धमकी देने लगा। बाद में भी पीड़िता को जबर्दस्ती शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया। मामले में केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

युवक ने लगाई फांसी

इंदौर। पीथमपुर के सेक्टर एक थाना क्षेत्र के डॉक्टर कालोनी में शनिवार रात लगभग 8 बजे एक युवक का शव अपने घर में फांसी के फंदे पर लटकता मिला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार डॉक्टर कालोनी में रहने वाले सागर सिंह पिता राजा भैय्या (20) वर्ष ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सहायक उपनिरीक्षक अशोक दुबे ने बताया कि डॉक्टर कालोनी हाउसिंग बोर्ड में किराए से रहने वाले सागर नामक युवक के फांसी लगाने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर देखा तो युवक का शव कमरे में पंखे से रस्सी के सहारे लटका मिला। इसके बाद पंचनामा बना कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल लाया गया। एसआई अशोक दुबे ने बताया कि सागर सतना जिले का रहने वाला था, वह यहां पर एक कारखाने में काम करता था फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

पांच आरोपियों पांच लाख का चोरी का माल बरामद

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सम्पीपस्थ औद्योगिक क्षेत्र के थाना सागौर अंतर्गत 19 जनवरी 2024 की निर्माणाधीन कंपनी में रात्रि में अज्ञात बदमाश ने वोटर्स टेक्नोलॉजी लिमिटेड कंपनी एसआईपी रोड सागौर पर प्लांट कि शैड लगाने की सामग्री (विविध प्रकार के नट कि पेटियां) चोरी कर लिए। इनकी कीमत 5 लाख के लगभग बताई गई है। शिकायत पर थाना सागौर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। नगर पुलिस अधीक्षक पीथमपुर अमित मिश्रा ने बताया कि आरोपियों कि तलाश में चोरी गए माल बरामद करने के निर्देश दिए। उसके लिए थाना प्रभारी सागौर ने टीम गठित की। मुखबिर तंत्र और सीसीटीवी के सहयोग से आरोपी कान्हा पिता मन्नालाल सिसोदिया (19) निवासी गाडोलिया मोहल्ला सागौर, विशाल पिता जगवर सिंह डावर (22) निवासी अम्बेडकर गार्डन के पास मोतीनगर सागौर, समीर पिता सादीक खान (19) निवासी अम्बेडकर गार्डन के सामने मोतीनगर सागौर, फरुख पिता सादीक खान (21) निवासी अम्बेडकर गार्डन के सामने मोतीनगर सागौर, राहुल पिता बल्लु मुवेल (21) निवासी सुलभ शौचालय के पास मोतीनगर खराडा सागौर को गिरफ्तार कर आरोपियों से चोरी गया मशरूका और घटना में प्रयुक्त एक ट्रेक्टर ट्राली जब्त की। जब्त माल की कीमत लगभग 10 लाख रुपए है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 0731-2433667 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक